



EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58

Email: ro.epch@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519

web: www.epch.in

PRESS RELEASE

HON'BLE UNION MINISTER OF WOMEN & CHILD DEVELOPMENT & TEXTILES INAUGURATED THE UPGRADED WOOD SEASONING AND TREATMENT PLANT AT COMMON FACILITY CENTRE SAHARANPUR

Saharanpur – September 15TH, 2019 - Smt. Smriti Zubin Irani, Hon'ble Union Minister of Women & Child Development and Textiles inaugurated the upgraded wood seasoning and treatment plant at Common Facility Centre Saharanpur today.

Shri Ravi K. Passi, Chairman-EPCH, Shri Pradeep Chaudhary, Hon'ble Member of Parliament, Shri Sanjeev Walia, Mayor of Saharanpur, Shri Brajesh Singh and Shri Devender Nim, Honble MLA, Shri Alok K. Pandey, District Magistrate Saharanpur, Shri Mohit Beniwal, Shri R.K. Verma, Director – EPCH and eminent exporters from Saharanpur Shri Sheikh Faizan Ahmad and Shri Ramji Suneja, Shri Sabir Ali Khan, Shri Mohd. Iqbal, Shri Som Goel, Shri Ravinder Miglani, Shri Mohd. Zama, Mohd. Irfan and other eminent exporters, Regional Director of DC Handicrafts Shri Virender Kumar, Shilp Guru and National Award Winner master craftpersons and artisans were present on the occasion.

While inaugurating the upgraded CFC at Saharanpur, Union Minister said that this is her second tenure as Minister of Textiles and she has been witnessing the impressive work being done by EPCH in different craft clusters in the field of creating infrastructure for the development and promotion of

handicrafts in the country. The handicrafts exports during 2018-19 have shown impressive growth of 15% and particularly wooden handicrafts have shown a growth of over 20% during April-August 2019-20. Government of India is supporting handicrafts sector in multiple area. Hon'ble Minister announced special promotion of wooden handicrafts from Saharanpur that will include Free of Cost Tool Kits to artisans, educational support through National Open School / IGNOU to the children of artisans. Hon'ble Minister further desired the exporters fraternity of Saharanpur to come forward and join ongoing "Seva Saptah" till 20th September and Swachhta Abhiyan on 17th September.

The Minister also expressed happiness to be present in the "Wood City of India" to inaugurate the upgraded Common Facility Centre which was set up by EPCH. She commended EPCH for making available upgraded woodworking machines and seasoning plant facility in Saharanpur and hoped with this initiative the employment opportunities will also be increased giving boost to the overall development of the city of Saharanpur and its adjoining areas.

She was satisfied to know that wood which is being used in the production of wooden handicrafts in this cluster is coming from the legal sources and EPCH has been providing the solution to the exporters regarding establishing the chain of custody and legality of wood through its Indian Timber Legality Assessment and Verification Scheme i.e VRIKSH. Honble Minister announced to set-up a VRIKSH Certificate desk at CFC Saharanpur and provide services to the artisans and exporters at their city.

Handicrafts are produced by artisans and craftpersons in interior parts of the country and keeping in view, EPCH under its well planned strategy decided to set up common facility centres at different craft clusters by providing latest machines to the exporters so that they can produce products as per international demand informed Shri Ravi K. Passi, Chairman – EPCH.

Wood carving industry in Saharanpur is more than 250 years and is known for intricate wood carving. Over one lakh fifty thousand artisans are associated with the sector. These artisans particularly belong to weaker sections of the society. About 400 units in Saharanpur are manufacturing wooden handicrafts items. These items are being exported to different parts of the world mainly Europe and USA.

Looking at the potentiality of exports and need of exporters from Saharanpur, the Council has installed latest wood working machines which included pneumatic clamping carrier with compressor, double side planner with dust extraction system, wide belt sander with dust extraction system, straight line RIP saw with dust extraction system, sliding compound mitre saw, vacuum pressure impregnation plant for timber, steam boiler and timber seasoning kilns. Apart from these machines, the capacity of seasoning plant has also been enhanced from 1000 CFT to 2000 CFT informed Shri Ravi K. Passi, Chairman – EPCH.

Shri Passi further added that with the installation of new machines, the output of the common facility centre will be doubled and will help the wooden handicrafts exporters to produce the wooden items in bulk to meet the deadlines of export orders thereby earning much needed foreign exchange for the country.

The exports of wooden handicrafts from the country is Rs 5424.91 crores during the year 2018-19 and Saharanpur comprise around 20% in total exports of wooden handicrafts informed Shri R.K. Verma, Director – EPCH.

During inauguration Shilp Guru Mr. Fayyaz Ahmad, National awardees Mr. Mohd. Usman, Mr. Javed Ahmad, Mr. Mohd. Dilshad, Mr. Abdul Rehman, Mr. Rehman Ahmad, Mr. Zaheer Ahmad were honoured by Hon'ble Union Minister alongwith Chairman EPCH and Hon'ble Member of Parliament Shri Pradeep Choudhary. Artisan ID Cards “Pehchaan” and “Recognition of Prior

Learning Certificates” were also issued by Hon’ble Minister to artisans. Mr. Sheikh Faizan Ahmad, President, Saharanpur Wood Carving Manufacturers Association and eminent exporter Mr. Ramji Suneja were honoured for their contribution to wooden handicraft industry.

For more information, please contact :

Shri R. K. Verma, Director– EPCH - +91-9810697868

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और कपड़ा मंत्री ने सहारनपुर के कॉमन फैसिलिटी सेंटर में अपग्रेडेड वुड सीजनिंग व ट्रीटमेंट प्लाण्ट का उद्घाटन किया

सहारनपुर, 15 सितम्बर, 2019: केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास व कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने सहारनपुर में अपग्रेडेड कॉमन फैसिलिटी सेंटर का आज उद्घाटन किया।

इस अवसर पर ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री रवि के पासी, माननीय सांसद श्री प्रदीप चौधरी, सहारनपुर के मेयर श्री संजीव वालिया, माननीय विधायक श्री ब्रजेश सिंह और श्री देवेन्द्रनिम, सहारनपुर के जिलाधिकारी श्री आलोक के पाण्डेय, श्री मोहित बेनिवाल, ईपीसीएच के निदेशक श्री आर के वर्मा तथा सहारनपुर के प्रतिष्ठित निर्यातक श्री शेख फैजान अहमद और श्री रामजी सुनेजा, श्री साबिर अली खान, श्री मोहम्मद इकबाल, श्री सोम गोयल, श्री रविंदर मिगलानी, श्री मोहम्मद जमा, मोहम्मद इरफान और अन्य नामचीन निर्यातक, डीसी हस्तशिल्प के क्षेत्रीय निदेशक श्री वीरेंद्र कुमार, शिल्प गुरु और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मास्टर शिल्पकार और कारीगर उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री ने अपग्रेडेड सीएफसी का उद्घाटन करते हुए कहा कि कपड़ा मंत्री के तौर पर यह उनका दूसरा कार्यकाल है और इस दौरान देश में हस्तशिल्प के विकास एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से देश के अलग-अलग शिल्प क्लस्टर्स में ईपीसीएच द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्य की वे साक्षी रही हैं।

2018-19 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात में 15% की प्रभावशाली वृद्धि हुई है, विशेष रूप से लकड़ी के हस्तशिल्पों में अप्रैल-अगस्त 2019-20 के दौरान 20% से अधिक की वृद्धि देखने को मिली। भारत सरकार हस्तशिल्प सेक्टर को कई क्षेत्रों में सहायता प्रदान कर रही है। माननीय मंत्री ने सहारनपुर के लकड़ी के हस्तशिल्पों को खास तौर पर बढ़ावा देने की घोषणा की, इसके तहत कारीगरों को निः शुल्क उपकरण किट देना और राष्ट्रीय ओपन स्कूल/इग्नू के माध्यम से कारीगरों के बच्चों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना शामिल है। माननीय मंत्री महोदया ने सहारनपुर की निर्यातक बिरादरी से इच्छा जताई कि उन्हें आगे बढ़कर 20 सितंबर तक "सेवाशपथ" और 17 सितंबर को "स्वच्छ भारत अभियान" में शामिल होना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की 'वुड नगरी' में अपग्रेडेड कॉमन फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन करते हुए उन्हें प्रसन्नता हो रही है जिसे साल 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान ईपीसीएच ने स्थापित किया था.

उन्होंने सहारनपुर में सीजनिंग प्लांट की सुविधा और लकड़ी के काम से जुड़ी अपग्रेडेड मशीनें उपलब्ध कराने के लिए ईपीसीएच की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इस पहल से यहां रोजगार के अवसर तो बढ़ेंगे ही, साथ साथ सहारनपुर शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास को भी बढ़ावा मिलेगा.

उन्होंने यह जानकर संतोष व्यक्त किया कि इस क्षेत्र में लकड़ी के शिल्प निर्माण के लिए वैधानिक स्रोतों से उपलब्ध लकड़ी ही काम में ली जा रही है और ईपीसीएच चैन ऑफ कस्टडी स्थापित करने और अपनी "वृक्ष योजना" (इंडियन टिम्बर लीगेलिटी एसेसमेंट एण्ड वेरिफिकेशन स्कीम) के माध्यम से लकड़ी की वैधता के सम्बंध में निर्यातकों को जरूरी सहायता दे रहा है. माननीय मंत्री ने सीएफसी सहारनपुर में वृक्ष सर्टिफिकेट डेस्क के गठन की घोषणा की जो शहर के कारीगरों और निर्यातकों को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा.

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी ने कहा कि हस्तशिल्प का उत्पादन देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा किया जाता है. इसे देखते हुए ईपीसीएच अलग-अलग क्राफ्ट क्लस्टर्स के कॉमन फैसिलिटी सेंटर में चरमबद्ध तरीके से अपग्रेडेड मशीनें लगा रहा है, ताकि वहां के उत्पादक अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुसार अपने उत्पाद तैयार कर सकें.

उल्लेखनीय है कि सहारनपुर लकड़ी और लकड़ी के शिल्प के सबसे पुराने केन्द्रों में से एक है और यहां 400 से अधिक ईकाइयां लकड़ी के शिल्प उत्पाद बनाने का काम कर रही हैं. इन उत्पादों का निर्यात यूरोप और अमरीका सहित दुनियाभर में किया जाता है.

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी ने बताया कि सहारनपुर से निर्यात की संभावनाओं को देखते हुए ईपीसीएच ने यहां लकड़ी के काम की आधुनिकतम मशीनें लगाई हैं, जिनमें कम्प्रेसर युक्त न्यूमैटिक क्लैम्पिंग कैरियर, डस्ट एक्सट्रैक्शन सिस्टम युक्त डबल साइड प्लानर, डस्ट एक्सट्रैक्शन सिस्टम युक्त वाइड बेल्ट सैंडर, डस्ट एक्सट्रैक्शन सिस्टम युक्त स्ट्रेटलाइन रिप साँ, स्लाइडिंग कम्पाउंड मिटर साँ, टिम्बर के लिए वैक्यूम प्रेशन इम्प्रेग्नेशन प्लांट, स्टीम बॉइलर और टिम्बर सीजनिंग किलन जैसी मशीनें शामिल हैं. इसके अलावा, सीजनिंग प्लांट की क्षमता भी 1000 सीएफटी से बढ़ाकर 2000 सीएफटी की गई है.

श्री पासी ने कहा कि नई मशीनें स्थापित होने से सीएफसी की उत्पादन क्षमता दोगुनी हो जाएगी, जिससे निर्यातक अधिक मात्रा में काष्ठ उत्पाद तैयार कर अपने ऑर्डर्स समय पर पूरे कर सकेंगे और देश के लिए विदेशी मुद्रा जुटाने में योगदान दे सकेंगे.

ईपीसीएच के निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वर्ष 2018-19 में भारत से लकड़ी के शिल्पों का 5424.91 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ, और इसका 20 फ़ीसदी योगदान सहारनपुर का था.

सहारनपुर में अपग्रेडेड सीएफसी के उद्घाटन के अवसर पर शिल्प गुरु श्री फैयाज अहमद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं श्री मोहम्मद उस्मान, श्री जावेद अहमद, श्री मोहम्मद दिलशाद, श्री अब्दुल रहमान, श्री रहमान अहमद, श्री जहीर अहमद को माननीय केंद्रीय मंत्री और ईपीसीएच के चेयरमैन और माननीय सांसद श्री प्रदीप चौधरी ने सम्मानित किया. माननीय मंत्री महोदया ने कारीगरों को कारीगर आईडी कार्ड 'पहचान' और 'पूर्व प्रशिक्षण मान्यता प्रमाण पत्र' भी प्रदान किए. इस दौरान सहारनपुर वुड कार्विंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री शेख फैजान अहमद और जाने माने निर्यातक श्री रामजी सुनेजा को लकड़ी के हस्तशिल्प उद्योग में उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया.

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

श्री आर के वर्मा, निदेशक- ईपीसीएच, +91-9810697868



SHRI RAVI K PASSI, CHAIRMAN ADDRESSING THE GATHERING



Felicitation of Shri Sheikh Faizan Ahmad, President Saharanpur Wood Carving Manufacturers' Association being felicitated by Hon'ble Union Minister of Textiles and by Hon'ble Member of Parliament.



Felicitation of eminent exporter from Saharanpur Shri Ramji Suneja by Hon'ble Union Minister of Textiles and by Hon'ble Member of Parliament.



Smt. Smriti Zubin Irani, Hon'ble Union Minister of Women & Child Development and Textiles addressing the exporters and artisans at EPCH CFC Saharanpur



Artisans and Exporters of Saharanpur Wooden Handicrafts Sector attending the inaugural ceremony of Upgraded wood seasoning and treatment plant at Common Facility Centre Saharanpur today